भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या 89*

जिसका उत्तर शुक्रवार, 25 जुलाई, 2025/3 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाना है।

विशिष्ट उर्वरकों के आयात पर प्रतिबंध

89*. श्री ससिकांत सेंथिल:

क्या **रसायन और उर्वरक मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को चीन से भारत को विशिष्ट उर्वरकों के निर्यात पर हाल के प्रतिबंधों अथवा उनके निलंबन की जानकारी है, यदि हां, तो इन प्रतिबंधों का स्वरूप और समय-सीमा क्या है;
(ख) क्या भारत जल में घुलनशील और सूक्ष्म पोषक तत्वों पर आधारित उत्पादों सहित ऐसे उर्वरकों के आयात के लिए चीन पर बहुत निर्भर है और यदि हां, तो इन आयातों की हिस्सेदारी का अनुमानित प्रतिशत कितना है;
(ग) क्या चीन से विशिष्ट उर्वरकों के निर्यात पर प्रतिबंध का देश में उर्वरकों की उपलब्धता, मूल्य निर्धारण अथवा कृषि उत्पादकता पर कोई प्रभाव पड़ा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) क्या सरकार ने विशिष्ट उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उपाय किए हैं यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रसायन और उर्वरक तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री
(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

'विशिष्ट उर्वरकों के आयात पर प्रतिबंध' के संबंध में श्री ससिकांत सेंथिल द्वारा पूछे गए दिनांक 25.07.2025 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 89* के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) से (घ): विशिष्ट उर्वरक, उर्वरक विभाग द्वारा प्रशासित पोषक-तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) स्कीम के दायरे में शामिल सब्सिडी प्राप्त उर्वरक नहीं हैं। उर्वरक कंपनियां अपने कारोबार के उतार चढ़ाव के अनुसार इन उर्वरकों का आयात करने के लिए स्वतंत्र हैं। पिछले 2-3 महीनों में, चीन ने कथित तौर पर भारत को किए जाने वाले विशिष्ट उर्वरकों के निर्यात को रोक दिया है। भारत में तेरह कंपनियों के पास 1.24 लाख मीट्रिक टन जल में घुलनशील उर्वरकों का उत्पादन करने की क्षमता है और चूँकि जल में घुलनशील उर्वरकों की वार्षिक खपत लगभग 3.35 लाख मीट्रिक टन (वर्ष 2023-24) थी, इसलिए वर्ष 2024-25 के दौरान चीन से लगभग 1.6 लाख मीट्रिक टन की एक बड़ी मात्रा का आयात किया गया था। भारतीय कंपनियां बेल्जियम, मिस्र, जर्मनी, मोरक्को और संयुक्त राज्य अमेरिका में वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं से सक्रिय रूप से जल में घुलनशील उर्वरकों की प्राप्ति (सोर्सिंग) कर रही हैं ताकि चीन से कम आयात के कारण होने वाली कमी को पूरा किया जा सके। सूक्ष्म पोषक तत्वों के मामले में, भारत ग्रीस, तुर्की, अमेरिका, स्पेन, सिंगापुर और नीदरलैंड से बड़ी मात्रा में विभिन्न सूक्ष्म पोषक तत्वों का आयात करता है जबकि चीन से थोड़ी मात्रा में जिंक सल्फेट मोनोहाइड्रेट का आयात करता है। इसलिए सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।